



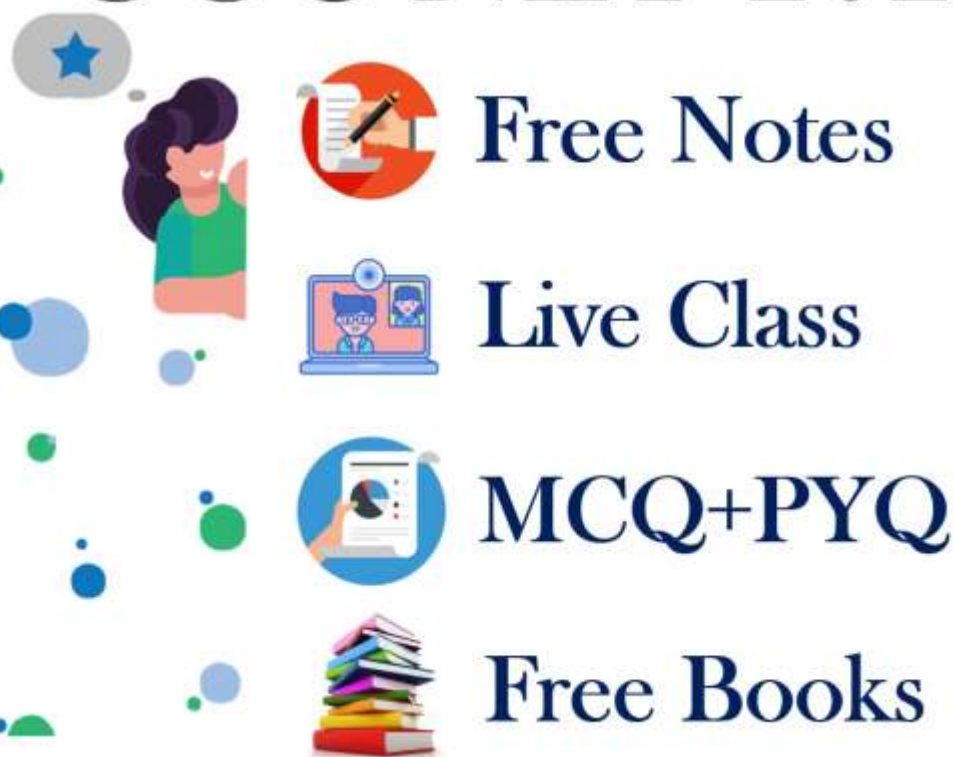
राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency

Excellence in Assessment

Free Batch Dec Exam UGC NET 2022



UGC NET JRF



Free Notes



Live Class



MCQ+PYQ



Free Books

UGC NET 100%

Off Free Class



Free Notes



PYQ with Ans



100+ Mock Test

fillerform

Filler Form

LATEST UPLOADS

UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude

"Level of Teaching"



इस

त

www.filler

11:00 AM Level Of Teaching | Teaching

इस बार :

11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
Aptitude By Jitendra Goswami | NET

इस बार :
ugc ne

LEARNING MATERIAL



Quizzes

Notes



Sample
Papers

Download Now!



www.ugc-net.com



नया बैच प्रारंभ

October

17

UGC NET Dec 2022



09:00 AM

MCQ Class



12:00 PM

Math,DI Class



11:00 AM

Paper 1st



02:00 PM

ICT Class

www.ugc-net.com

fillerform 8209837844

Research Ethics

These are the set of belief or fundamental principles of decent human behaviour that is accepted as societal norms. It mainly consists of values such as equality, obedience to the law etc. At the beginning of the research, there was no ethics or guidelines are maintained in conducting research.

अनुसंधान नैतिकता

ये सभ्य मानव व्यवहार के विश्वास या मौलिक सिद्धांत हैं जिन्हें सामाजिक मानदंडों के रूप में स्वीकार किया जाता है। इसमें मुख्य रूप से समानता, कानून का पालन आदि जैसे मूल्य शामिल हैं। अनुसंधान की शुरुआत में, शोध करने में कोई नैतिकता या दिशानिर्देश नहीं थे।



research Ethics are some of the moral principles that are followed by a researcher in conducting research so that it meets the scientific competence and pure best results. Research Ethics mostly promote values that are essential for collective work and those values are trust, mutual respect, and accountability.

अनुसंधान नैतिकता कुछ नैतिक सिद्धांत हैं जिनका पालन एक शोधकर्ता द्वारा अनुसंधान करने के लिए किया जाता है ताकि यह वैज्ञानिक क्षमता और शुद्ध सर्वोत्तम परिणामों को पूरा करे। अनुसंधान नैतिकता ज्यादातर उन मूल्यों को बढ़ावा देती है जो सामूहिक कार्य के लिए आवश्यक हैं और वे मूल्य विश्वास, आपसी सम्मान और जवाबदेही हैं।



There are different stakeholders in Research Ethics and their social responsibility is to serve the society. Main stakeholders in Research Ethics are the researcher himself/herself, the participants, the research community, the regulatory bodies, publishers and the society as a whole

रिसर्च एथिक्स में विभिन्न हितधारक हैं और उनकी सामाजिक जिम्मेदारी समाज की सेवा करना है। अनुसंधान नैतिकता में मुख्य हितधारक स्वयं शोधकर्ता, प्रतिभागी, अनुसंधान समुदाय, नियामक निकाय, प्रकाशक और संपूर्ण समाज हैं।



Principle of respect for human dignity: Humans i.e. the participants should be treated as autonomous agents so that they control their own activities. The researcher should make the person aware of the nature of the study, its responsibility and they have also the right to refuse participation. There should be no discrimination or bias on the part of researcher against any individual on the basis of caste, class, sex, race, religion etc., as these factors are not related to scientific competence. Research ethics should also include the protection of human and animal subjects.

मानवीय गरिमा के सम्मान का सिद्धांत: मनुष्य यानी प्रतिभागियों को स्वायत्त एजेंटों के रूप में माना जाना चाहिए ताकि वे अपनी गतिविधियों को नियंत्रित कर सकें। शोधकर्ता को व्यक्ति को अध्ययन की प्रकृति, उसकी जिम्मेदारी से अवगत कराना चाहिए और उन्हें भागीदारी से इंकार करने का अधिकार भी है। जाति, वर्ग, लिंग, नस्ल, धर्म आदि के आधार पर किसी भी व्यक्ति के खिलाफ शोधकर्ता की ओर से कोई भेदभाव या पक्षपात नहीं होना चाहिए, क्योंकि ये कारक वैज्ञानिक क्षमता से संबंधित नहीं हैं।



Transparency and Accountability: There should be honesty in reporting the data, results and methods used in conducting research. Openness in sharing data, results, ideas, tools and resources would make the study open for criticism and this would result in the creation of new ideas. The study conducted by the researcher should maintain objectivity so that it avoids bias in research design, data analysis and peer-review.

पारदर्शिता और उत्तरदायित्व: डेटा, परिणाम और अनुसंधान करने में उपयोग किए जाने वाले तरीकों की रिपोर्टिंग में ईमानदारी होनी चाहिए। डेटा, परिणाम, विचार, उपकरण और संसाधनों को साझा करने में खुलापन अध्ययन को आलोचना के लिए खुला बना देगा और इसके परिणामस्वरूप नए विचारों का निर्माण होगा। शोधकर्ता द्वारा किए गए अध्ययन में निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए ताकि यह अनुसंधान डिजाइन, डेटा विश्लेषण और सहकर्मियों-समीक्षा में पूर्वाग्रह से बचा जा सके।

 8209837844





Confidentiality is maintained: While conducting research one must maintain confidentiality in the context of communication, personal records and privacy issues. For instance, sensitive studies such as a study on election scenario etc. one must maintain confidentiality, as the participants might not want to disclose its identity to the public.

गोपनीयता बनाए रखी जाती है: अनुसंधान करते समय किसी के संचार, व्यक्तिगत रिकॉर्ड और गोपनीयता के मुद्दों के संदर्भ में गोपनीयता बनाए रखनी चाहिए। उदाहरण के लिए, संवेदनशील अध्ययन जैसे कि चुनाव परिदृश्य पर अध्ययन आदि में गोपनीयता बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि प्रतिभागी अनजानता के सामने अपनी पहचान प्रकट नहीं करना चाहते हैं।



Research Ethics in the Academic Profession

Misconduct in Research mainly emphasis on making up of data without any collection of it, manipulation of research materials in order to change the accurate result.

Even plagiarism also comes under research misconduct where one took the ideas, results and words from another research work without giving any appropriation.

Duplicate publication/submission of research findings, misrepresentation of research findings and use of fraudulent data to support a hypothesis or claim are also a violation of Research Ethics in Academic field. Therefore, Researcher while conducting research should respect intellectual property rights such as patent, copyrights etc. Thus all ethical decision taken by individuals is relative to own conscience and should be judged on the basis of some universal code.



अनुसंधान में कदाचार मुख्य रूप से बिना किसी संग्रह के डेटा बनाने, सटीक परिणाम को बदलने के लिए अनुसंधान सामग्री में हेरफेर करने पर जोर देता है।

यहां तक कि साहित्यिक चोरी भी शोध कदाचार के अंतर्गत आती है, जहां कोई अन्य शोध कार्य से विचारों, परिणामों और शब्दों को बिना किसी विनियोग के लेता है।

डुप्लीकेट प्रकाशन/अनुसंधान के निष्कर्षों को प्रस्तुत करना, शोध के निष्कर्षों की गलत प्रस्तुति और एक परिकल्पना या दावे का समर्थन करने के लिए धोखाधड़ी डेटा का उपयोग भी उल्लंघन है



Falsification

Falsification is manipulating research materials, equipment or processes, or changing or omitting research data results such that the research is not accurately represented in the research record. Unlike fabrication, falsification doesn't have an element of truth and is completely deliberate and untruthful manipulation of information

Eg: publishing untrue and manipulated facts associated with a study

असत्यकरण

मिथ्याकरण अनुसंधान सामग्री, उपकरण या प्रक्रियाओं में हेरफेर कर रहा है, या अनुसंधान डेटा परिणामों को बदलना या छोड़ना है, जैसे कि अनुसंधान रिकॉर्ड में अनुसंधान का सटीक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं किया गया है। मनगढ़ंत के विपरीत, मिथ्याकरण में सच्चाई का कोई तत्व नहीं होता है और यह जानकारी का पूरी तरह से जानबूझकर और असत्य हेरफेर है उदाहरण: किसी अध्ययन से जुड़े असत्य और हेरफेर किए गए तथ्यों को प्रकाशित करना

Plagiarism

Direct Plagiarism occurs when a person copies the text of another person, without any changes and doesn't use quotation marks or attribution.

b.) Self-plagiarism: reuse of one's own work without suitable acknowledgement.

c.) Mosaic Plagiarism: involves copying phrases, passages and ideas from different sources and putting them together to create new content.

d.) Paraphrasing Plagiarism: It involves the use of someone else's writing with some minor changes in the sentences and using it as one's own.





प्रत्यक्ष साहित्यिक चोरी तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के पाठ को बिना किसी बदलाव के कॉपी करता है और उद्धरण चिह्नों या एट्रिब्यूशन का उपयोग नहीं करता है।

बी।) स्व-साहित्यिक चोरी: उपयुक्त स्वीकृति के बिना स्वयं के काम का पुनः उपयोग।

सी।) मोज़ेक साहित्यिक चोरी: इसमें विभिन्न स्रोतों से वाक्यांशों, मार्गों और विचारों की प्रतिलिपि बनाना और नई सामग्री बनाने के लिए उन्हें एक साथ रखना शामिल है।

डी।) साहित्यिक चोरी का वर्णन: इसमें वाक्यों में कुछ मामूली बदलावों के साथ किसी और के लेखन का उपयोग करना और इसे एक के रूप में उपयोग करना शामिल है।



जिसने भी खुद को खर्च
किया है,
DUNIYA ने उसी को
GOOGLE पर SEARCH
किया है।



2



www.fillerform.com



fillerform



**Just focus on you
aim**



**this universe will
show the way
where you want to
go**